7 एकड़ में बसी कठपुतली कॉलोनी को पीपीपी मॉडल के तहत डिवेलप किया जाएगा

कठपुतली कॉलोनी : शिफ्ट किए गए परिवार

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

डीडीए ने करीब दो साल बाद फिर से कठपुतली कॉलोनी में रहने वाले लोगों को आनंद पर्वत स्थित ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट करने का काम शुरू कर दिया है। सोमवार को करीब 100 परिवारों को शिफ्ट किया गया।

डीडीए का कहना है कि अधिकतर लोग इन झुग्गियों की जिंदगी से निकलकर अच्छे फ्लैटों में आने के लिए तैयार हैं। कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए इसमें रोड़ा अटका रहे हैं। मगर ऐसे स्वार्थी लोगों की चलने नहीं दी जाएगी।

डीडीए के प्रिंसिपल कमिश्नर (हाउसिंग) जे. पी. अग्रवाल का कहना है कि शादीपुर डिपो के पास करीब सात एकड़ में बसी कठपुतली कॉलोनी को एक पार्टनर बिल्डर्स द्वारा पीपीपी मॉडल के तहत डिवेलप किया जाएगा। अधिकतर परिवार इस बात के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं कि उन्हें फिलहाल ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट कर दिया जाए। इसके बाद फिर जब यहां मल्टीस्टोरी बिल्डिंग बन जाएंगी तब वह यहां शिफ्ट हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 2641 परिवारों की पहचान की गई थी अगर इस लिस्ट से कोई परिवार छूट गया है, तो उसे भी इस लिस्ट में शामिल कर लिया जाएगा। किसी भी ऐसे परिवार को इस प्रोजेक्ट से बाहर नहीं निकाला जाएगा जो सच में कठपुतली कॉलोनी में रहता है।

डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट 2009 से चल रहा है। करीब दो साल पहले 500 से अधिक परिवार ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट होने के लिए मान गए थे। उन्हें वहां शिफ्ट भी कर दिया गया था। बाद में कुछ स्वार्थी तत्वों की वजह से यह अभियान रुक गया था। लोगों ने इस अभियान को फिर से शुरू करने की बात कही तो इसे शुरू किया गया है। अब यहां बाकी बचे तमाम परिवारों को भी ट्रांजिट कैंप में शिफ्ट किया जाना है।

दो साल बाद शुरू की गई शिफ्टिंग

शिफ्ट होने के लिए समय मांगने वाले परिवारों को डीडीए उन्हें उनके हिसाब से वक्त दे रहा है। डीडीए का कहना है कि अभी कुछ लोग भले ही शिफ्ट होने में परेशान हो रहे हों, लेकिन जब उन्हें इसी जमीन पर फ्लैट दिए जाएंगे तब वह बहुत खुश होंगे। शिफ्टिंग का यह काम सोमवार दोपहर बाद शुरू किया गया, जो शाम तक चला। एरिया के विधायक और दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन सहित 'आप' के कुछ नेता भी यहां आए थे।

ट्विटर पर फॉलो करें
@NBTDilli